एथेनॉल और हरित ऊर्जा में अग्रणी होगा भारत

सीआईआई शुगरटेक कॉन्क्लेव में जुटे दिग्गज चीनी कंपनियों के प्रमुख

लखनऊ। सीआईआई के शुगरटेक कॉन्क्लेव के 11वें संस्करण में उत्तर प्रदेश शुगर फेडरेशन के प्रबंध निदेशक कुमार विनीत ने कहा कि गन्ने की गुणवत्ता सुधार कर हम चीनी मिलों को अधिक रिकवरी दिलाने के साथ ही किसानों को समृद्धि कर सकते हैं।

इस संतुलन से भारत न केवल वैश्विक चीनी उद्योग में अग्रणी बनेगा बल्कि एथेनॉल, हरित ऊर्जा और वैल्यू एडेड उत्पादों में भी विस्तार करेगा। उन्होंने कहा कि सीआईआई शुगरटेक जैसे आयोजन उद्योग, नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और किसानों के बीच संवाद और सहयोग का मंच देते हैं।

शुक्रवार को लखनऊ में सीआईआई शुगरटेक सम्मेलन में उद्योग विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर कंपनियों और किसानों को चीनी उत्पादन व सतत विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मेलन के अध्यक्ष नरेंद्र मोहन अग्रवाल पूर्व निदेशक एनएसआई एवं प्रबंध निदेशक ग्रीनटेक ने कहा कि भारतीय चीनी उद्योग में पिछले दो दशकों में बड़ा बदलाव आया है। यह उद्योग बायो-इलेक्ट्रिसिटी, बायो-एथेनॉल, कम्प्रेस्ड बायोगैस और भविष्य की हरित ऊर्जा जैसे ईंधनों का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि वास्तविक अवसर चीनी मिलों को एकीकृत बायो-रिफाइनरी में बदलने का है, जो सालभर संचालित हों और बायो एनर्जी, बायो केमिकल्स व सतत ईंधन उत्पादन करें। ब्यूरो

सीआईआई के शुगरटेक कॉन्क्लेव में मौजूद कंपनियों के प्रतिनिधि। स्रोत: सीआईआई

गन्ने की नई किस्में लाने की जरूरत

उत्तम शुगर मिल्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक शंकर लाल शर्मा ने कहा कि चीनी उद्योग में नवाचार अनिवार्य है। यांत्रिक हार्वेस्टर का प्रयोग शुरू करने की आवश्यकता है। नई किस्मों को लाना भी जरूरी है। मवाना शुगर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राकेश कुमार गंगवार ने कहा कि भारतीय चीनी उद्योग एक अहम मोड़ पर खड़ा है, जहां गन्ने की उत्पादकता और गुणवत्ता दोनों को बढ़ाना जरूरत है। गोविंद शुगर मिल्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक आलोक सक्सेना ने एथेनॉल उत्पादन में विविधीकरण पर जोर दिया।